/font>

13.23 hrs.

Title: Need to conduct a CBI inquiry into collection of electricity charges by private contractors from Jhuggi/slums dwellers in Delhi.

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : आपको यह सुनकर ताज्जूब होगा कि यह कैसे हो रहा है। आपने सरकारी पैसे को पूरा सरकारी कोा में जमा न होकर आधा खा लिया तो बहुत बार सुना होगा लेकिन दिल्ली के अंदर लगभग 60 लाख लोग जो यू.पी. और बिहार से झुग्गी-झोंपड़ी और पुनर्वास बस्तियों में रह रही हैं, उनको जो बिजली सप्लाई हो रही है, उसके लिए एक हजार से ज्यादा प्राइवेट ठेकेदार एप्वाइंट कर दिये गये हैं। उनमें से बहुत से क्रिमिनल्स आदि लोग हैं। मैं वह बिल लेकर आया हूं। हजारों की संख्या में बिल हैं। उन गरीब लोगों से बिल तो वसूल हो रहे हैं लेकिन एक नया पैसा भी सरकारी कोा में जमा नहीं हो रहा है। मेरे पास रसीदें हैं जिसमें कहीं नहीं लिखा कि यह सरकारी रसीद है। यह प्राइवेट रसीद है। इसके अंदर छः हजार रुपये डेवलपमैंट चार्जेज लिये जा रहे हैं। जब सरकार ने रिकोग्नाइज्ड कालोनियों के लिए नहीं कहा तो डेवलपमैंट चार्जेज वह कैसे ले सकते हैं ? डेवलपमैंट चार्जेज अगर लेना है तो वह सरकार लेगी। कल यदि यह अनअथोराइज्ड कालोनियां पास होंगी तो उनको फिर से पैसा देना पड़ेगा। इंटरैस्टिंग बात यह है कि इसमें यह लिखा हुआ है कि लेट फीस पर डे 50 रुपये। यह रसीद मेरे पास है। एक रसीद 100 रुपये की है।

मैं इसमें सी.बी.आई. इन्क्वारी चाहता हूं।â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी (रायगंज) : भारत सरकार इसको नैशनलाइज़ करे। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि इसे जल्दी ही नैशनलाइज़ कर दें।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Dasmunsi, let him say what he wants to say.

श्री मदन लाल खुराना : मैंने कहा कि 100 रुपये का बिल है और 50 रुपये लेट फीस है। मेरे पास जो कागज है, उसमें लिखा है कि पर डे 50 रुपये लेट फीस है। ऐसा कभी सुना है।â€¦ (व्यवधान)

मैं कहना चाहता हूं कि यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। मैंने ऐसा स्कैंडल आज तक नहीं देखा। मैंने प्रधान मंत्री जी से बात की, उन्हें भी विश्वास नहीं हुआ कि यह कैसे हो सकता है।â€¦ (व्यवधान) आज खुलेआम 60 लाख लोगों से बिजली का पैसा वसूल किया जा रहा है लेकिन सरकारी खजाने में ऐक पैसा जमा नहीं हो रहा है और मनमाने ढंग से काम हो रहा है। इसकी सी.बी.आई. से जांच होनी चाहिए। जिस दिल्ली सरकार ने ठेकेदारों को ऐप्वाइंट किया है, उसको डिसमिस करना चाहिए, उनके ऊपर एक्शन लेना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, वे झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले लोग हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : मैं इस सबको चीफ मिनिस्टर को दूंगा और अगर इसमें कुछ सत्य है तो कड़े से कड़ा एक्शन लेने के लिए मजबूर करेंगे।â€¦ (व्यवधान) I appeal to Shri Khurana to use the office of Prime Minister in order to nationalise the entire electric supply of Delhi. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Chandra Shekhar, I am sorry that I could not see you.

SHRI CHANDRA SHEKHAR (BALLIA, U.P.): It does not matter.

Shri Khurana has raised a very serious issue. It is a matter where people are being exploited. I do not know by whom they are being exploited. This is a matter which the Government should inquire into by the Government and strict action should be taken. If what he has said is true, then it is just a *jungle* rule and *jungle raj.* Nothing of this kind can happen in a civilised society. I do not know who is responsible for this type of activity. But it is happening in the Capital of India shows that there is no Government and there is no rule of law, and people who have the muscle power can get away with anything and can exploit the people. I shall request you to impress upon the Government. Shri George Fernandes and Shri Vijay Goel are present here.

Shri George Fernandes, Shri Vijay Goel and Shri Anant Gangaram Geete are all present here. The three Ministers are here. They should take this matter seriously. This should not die down in the years to come....(*Interruptions*) If it is his Ministry, I do not know whether he has got any control over that or not because nobody knows who has control over what in this Government and in this regime. But if there is any Government, I have great expectations from Shri Geete and I hope he will take it into consideration.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सरकार इस पर तुरंत सूचना ग्रहण करे और वक्तव्य दे।

विद्युत मंत्री (श्री अनन्त गंगाराम गीते) : उपाध्यक्ष जी, ऊर्जा का वितरण राज्य का विाय है। जिसके संदर्भ में अभी माननीय सदस्य खुराना जी बोले, वह विाय दिल्ली प्रदेश सरकार से सम्बन्धित है. इसलिए जब तक इसकी पूरी जानकारी राज्य सरकार से हमें नहीं मिलती, हम जानकारी लेने का प्रयास करेंगे, उसके बाद ही भारत सरकार इस पर अपनी राय दे सकती है।

श्री लाल बिहारी तिवारी (पूर्वी दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोदय, दिल्ली का ऐसा ही मसला पीने के पानी का है। मैंने इस विाय पर नोटिस भी दिया है कि दिल्ली वासियों को पीने का पानी दूाित और जहरीला सप्लाई हो रहा है। यह जीवन-मरण का सवाल है। इस पर तुरंत कोई कार्यवाही होनी चाहिए।